



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

H.C.S
23/12/99

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 248]

नई दिल्ली, शुक्रवार, नवम्बर 5, 1999/कार्तिक 14, 1921

No. 248]

NEW DELHI, FRIDAY, NOVEMBER 5, 1999/KARTIKA 14, 1921

वाणिज्य मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 5 नवम्बर, 1999

विषय : कोरिया गणराज्य से ऑप्टिकल फाइबर के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच।

प्रारंभिक जांच निष्कर्ष

सं. 24/1/99-डीजीएडी.—सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1995 में यथा संशोधित) तथा उसकी सीमाशुल्क टैरिफ (पारित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटन रोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमाबली, 1995 को ध्यान में रखते हुए;
क. कार्य-पद्धति

1. जांच के लिए निम्नलिखित कार्य-पद्धति अपनाई गई है :—

(i) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसके बाद प्राधिकारी कहा जाएगा) को उपरोक्त नियमाबली के अधीन घरेलू उद्योग की ओर से मैसर्स स्टलाइट इंडस्ट्रीज लि. से लिखित आवेदन प्राप्त हुआ है जिसमें दक्षिण कोरिया भूल के अधिकार वहां से निर्यात किए गए ऑप्टिकल फाइबर (जिसे इसके बाद सम्बद्ध माल भी कहा गया है) के पाटन का आरोप लगाया गया है।

(ii) याचिकाकर्ता द्वारा दायर की गई याचिका का आरंभिक जांच से कतिपय त्रुटियों का पता लगा जिन्हें याचिकाकर्ता द्वारा बाद में ठीक कर दिया गया था। इसके बाद याचिका को सही दस्तावेज माना गया है।

(iii) याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत किये गए पर्याप्त साक्ष्यों के आधार पर प्राधिकारी ने कोरिया गणराज्य से ऑप्टिकल फाइबर के आयातों की जांच आरंभ करने का निर्णय किया।

प्राधिकारी ने नियम के उपनियम 5(5) के अनुसार जांच शुरू करने से पहले पाटन के आरोप के प्राप्त होने की सूचना कोरिया गणराज्य के दूतावास को दी।

(iv) प्राधिकारी ने सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के सीमाशुल्क के उपशीर्ष सं. 9001.10 के अन्तर्गत वार्गीकृत, कोरिया गणराज्य (जिसे इसके बाद सम्बद्ध देश भी कहा गया है) के मूल के या वहां से निर्यातित ऑप्टिकल फाइबर के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच आरंभ करते हुए तारीख 1 जुलाई, 1999 की एक सार्वजनिक सूचना भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित की।

(v) प्राधिकारी ने सार्वजनिक सूचना की एक प्रति विषयगत माल के सभी ज्ञात निर्यातकों (जिनके ब्यौरे याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराए गए थे) को भी भेजी, और उन्हें नियम 6(2) के अनुसार अपने विचार लिखित रूप में देने का अवसर प्रदान किया।

(vi) प्राधिकारी ने भारत में ऑप्टिकल फाईबर के ज्ञात आयातकों तथा औद्योगिक संगठनों (जिनका विवरण याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराया गया था) को सार्वजनिक सूचना की एक प्रति भी भेजी और उनसे पत्र की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने विचार लिखित रूप से देने के लिए कहा।

(vii) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीईसी) से जांच अधिकारी सहित पिछले 3 वर्षों में भारत में आप्टिकल फाईबर के आयातों का विवरण देने का अनुरोध किया गया था।

(viii) प्राधिकारी ने पूर्वोक्त नियम 6(3) के अनुसार याचिका की एक प्रति ज्ञात निर्यातकों और संबद्ध देश के दूतावास को भेजी। याचिका की एक प्रति अन्य हितबद्ध पार्टियों को भी अनुरोध करने पर उपलब्ध कराई गयी।

(ix) प्राधिकारी ने सम्बद्ध सूचना प्राप्त करने के लिए नियम 6(4) के अनुसार निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावली भेजी :—

कोरिया गणराज्य :

- * देवू कारपोरेशन
- * ताइहान इलैक्ट्रिक वॉयर कं. लि.
- * सैमसंग इलैक्ट्रोनिक्स कं. लि.
- * एल जी केबल एंड मशीनरी लि.

अनेक पार्टियों ने समय यद्दाने के लिए अनुरोध किया जिसके लिए प्राधिकारी द्वारा पर्याप्त समय की अनुमति दी गई थी।

निम्नलिखित निर्यातकों ने उत्तर दिया :

कोरिया गणराज्य :

- * देवू कारपोरेशन
- * ताइहान इलैक्ट्रिक वॉयर कं. लि.
- * सैमसंग इलैक्ट्रोनिक्स कं. लि.
- * एल. जी. केबल एंड मशीनरी लि.

(x) नई दिल्ली में संबद्ध देश के दूतावास को भी नियम 6(2) के अनुसार जांच आरंभ होने की सूचना दे दी गयी थी और उनसे अपने देश के 11 गणकों/उत्पादों से विर्याग्नि समय के भीतर प्रश्नावली भरकर भेजने का आग्रह करने का अनुरोध किया गया था। निर्यातकों को भेजे गए पत्र, याचिका और प्रश्नावली को प्रति ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों की सूची सहित दूतावास को भी भेजी गयी थी।

(xi) नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना भंगाने के लिए ऑप्टिकल फाईबर के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों को एक प्रश्नावली भेजी गयी थी :—

- * बिड़ला एरिक्सन ऑप्टिकल लि.
- * यूनीफॉलैक्स केबल्स
- * अक्ष (इंडिया) लि.
- * भिलाई वायर्स लि.
- * सोएमआई लि.

प्रश्नावली का निम्नलिखित द्वारा उत्तर दिया गया :—

- * बिड़ला एरिक्सन ऑप्टिकल लि.
- * यूनीफॉलैक्स केबल्स
- * अक्ष वायर्स लि.
- * भिलाई वायर्स लि.
- * सोएमआई लि.

- * विद्युं टेलीलिंक्स लि.
- * बी. डब्ल्यू. एल. लि.
- * आर. पी.जी. केबल्स लि.
- * सुदर्शन टेलीकॉम
- * हिमाचल फ्यूचरिस्टिक कम्पनीकेशनस लि.
- * टेलिकॉम केबल्स डेवलपमेंट एसोसिएशन
- (xii) क्षति के बारे में याचिकाकर्ता से अतिरिक्त सूचना मांगी गई थी जो उन्होंने दे दी थी।
- (xiii) प्राधिकारी ने आवश्यक समझी गई मीमा तक याचिकाकर्ता के परिसरों पर भौके पर जांच की;
- (xiv) प्राधिकारी ने, उसके द्वारा रखी गई सार्वजनिक फाइल के रूप में, विभिन्न हितबद्ध पार्टीयों द्वारा दिए गए साक्ष्यों के अगोपनीय अंश उपलब्ध रखे और उसे हितबद्ध पार्टीयों द्वारा देखने के लिए खुला रखा;
- (xv) सामन्यतः स्थीकृत सेखा सिद्धांतों (जी ए ए पी) तथा याचिकाकर्ता द्वारा दी गई सूचना के आधार पर भारत में विप्रवात माल की इष्टतम उत्पादन लागत तथा माल को बनाने और बेचने की न्यूनतम लागत का हिसाब लगाने के लिए लागत जांच भी की गई;
- (xvi) *** * यह चिह्न इस अधिसूचना में एक हितबद्ध पार्टी द्वारा गोपनीय आधार पर दी गई सूचना तथा नियमों के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा उसे ऐसा माने जाने का द्योतक है;
- (xvii) जांच 1 अप्रैल, 1998 से 28 फरवरी, 1999 तक की अवधि के लिए की गई थी जिसे इसके बाद जांच-अधिकारी कहा जाएगा।

ख. याचिकाकर्ता के विचार

2. याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका में और अपने परवर्ती अनुरोधों में निम्नलिखित मुद्रे उठाए हैं :
 - (क) दक्षिण कोरिया से आप्टिकल फाइबर के पाटन के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है। भारत में घरेलू कीमतों में गिरावट आ रही है जिसके परिणामस्वरूप लागत की वसूली होने की भी कोई गुंजाइश नहीं है।
 - (ख) संबद्ध देश से आयातों की कम कीमतों की तुलना में अन्य देशों के उनके नियातों की कीमतों के कारण याचिकाकर्ता को अपनी कीमतों कोरियाई नियातों की कम कीमतों के बराबर रखने के लिए बाध्य होना पड़ा है। इसमें अत्यधिक घाटा हुआ है।
 - (ग) उत्पादन और बिक्री में वृद्धि के बाल्जूद भी कोरिया गणराज्य से पाटिट आयातों के कारण याचिकाकर्ता अस्नाभकारी कीमतों पर विक्री करने के लिए बाध्य हुआ है जिसके परिणामस्वरूप उसे वित्तीय घाटा हुआ है।
 - (घ) क्षति के साक्ष्य के रूप में याचिकाकर्ता ने घरेलू बिक्री कीमत में गिरावट और घाटे में वृद्धि के अलावा क्षमता उपयोग में कमी, बाजार हिस्से में कमी और अंतिम स्टॉक में वृद्धि जैसे मापदण्डों को इंगित किया है।
 - (ङ) याचिकाकर्ता ने अपनी ऑप्टिकल फाइबर इकाई के लिए आई एस ओ 9002 गुणवत्ता प्रमाणन प्राप्त किया हुआ बताया है। उनकी गुणवत्ता को रेलवे बोर्ड, ईरकॉन इंटरनेशनल लि., फाइबर बेयर जो एम बी एच, डी औ टी इत्यादि जैसे प्राधिकरणों द्वारा व्यापक रूप में स्थीकार किए जाने का दावा किया है। इन प्राधिकरणों द्वारा स्वीकृति के माध्य के रूप में याचिकाकर्ता ने गृहीत द्वारा जारी किए गए पत्रों और प्रमाण-पत्रों को संलग्न किया है।
 - (च) आगे यह बताया गया है कि दक्षिण कोरिया के नियातकों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण उनकी घरेलू बिक्री कीमत द्वारा नहीं किया जा सकता क्योंकि उनके द्वारा नामजद अधिकांश नियातक आप्टिकल फाइबर का इन्टरमाल अपनी कारखानागत खपत के लिए करते हैं और उसकी कोई घरेलू बिक्री नहीं होती है। इसलिए उन्होंने सामान्य मूल्य निकालने के लिए वैकल्पिक तरीका अपनाया है। इस प्रयोजनार्थ उन्होंने किसी उचित अन्य देश को प्रतिनिधि नियात कीमत को सामान्य मूल्य के आधार के रूप में लिया है। इस संबंध में याचिकाकर्ता ने चीन, हांगकांग और वियतनाम को उचित अन्य देशों के रूप में समझा है।

ग. नियातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पार्टीयों के विचार

1. आयातकों/उपयोक्ता उद्योगों के विचार

ऑप्टिकल फाइबर केबल विनिर्माताओं का प्रतिनिधित्व करने वाली टेलीकाम केबल्स डेवलपमेंट एसोशिएशन (टी बी डी ए) और उक्त एसोशिएशन के सदस्यों ने अलग-अलग अभ्यावेदन दायर किए हैं जिनमें पाटनरोधी शुल्क न लगाने के कारण बताए हैं और यह दावा किया है कि उस पर मै. स्ट्रलाइट, याचिकाकर्ता और उसकी महत्वों कीमती प. आर.एम.लि. को छोड़कर टी बी डी ए के सभी सदस्यों का समर्थन प्राप्त है। एसोशिएशन और अलग-अलग सदस्यों के अनुरोध समान हैं। इन अनुरोधों के मुख्य मुद्रे संक्षेप में निम्नानुसार हैं :

- (क) पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से ऑप्टिकल फाइबर केबल उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा और इसके परिणामस्वरूप उनकी लागत में वृद्धि होगी।

- (ख) देश में उचित दूर-संचार नेटवर्क की स्थापना में ऑप्टिकल फाइबर केबल एक अधिन अंग होती है। चूंकि, दूरसंचार परियोजनाएं अवस्थापना के क्षेत्र की होती है इसलिए ऑप्टिकल फाइबर पर पाठनरोधी शुल्क का लगाया जाना देश में अवस्थापना के विस्तार और निवेशों के प्रतिकूल होगा।
- (ग) याचिकाकर्ता ने अन्य देशों को निर्यातकों की भाव दरों से प्राप्त सामान्य मूल्य के आधार पर पाठन का आरोप लगाया है। किन्तु, उक्त भाव दर का कोई साक्ष्य परक महत्व नहीं है क्योंकि यह अंतिम संविदा अथवा वास्तविक लेन-देन नहीं होती है। इस प्रकार, इस बात का कोई साक्ष्य नहीं है कि सामान्य मूल्य भारत को हुए निर्यात की कीमत से अधिक है।
- (घ) याचिकाकर्ता को ऑप्टिकल फाइबर जिसे 25% के शुल्क के भुगतान पर आयात किया जाता है, के आयात के कारण क्षति नहीं पहुंचनी चाहिए क्योंकि वे ऑप्टिकल फाइबर के विनिर्माण के लिए कच्ची सामग्री के आयात हैं तो केबल 15% आयात शुल्क का लाभ प्राप्त करते हैं।
- (ङ) याचिकाकर्ता द्वारा दायर की गई शिकायत घरेलू कीमत और ऑप्टिकल फाइबर की आपूर्ति पर अपना एकाधिकार और नियंत्रण बनाए रखने का एक दुर्भावनापूर्ण प्रयास है। उन्होंने विवाद में संदेहास्पद और प्रतिबंधित व्यापार प्रक्रियाओं द्वारा अपने लाभ के लिए बाजार को धोखा दिया है।
- (च) स्ट्रलाइट द्वारा आपूर्ति किया गया ऑप्टिकल फाइबर घटिया विभिन्नी का है जिसके कारण याचिकाकर्ता को ऑप्टिकल फाइबर केबल के विनिर्माताओं से आदेशों के निसन और रद्दीकरण का सामना करना पड़ा है। याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित फाइबर में सामन्जस्यहीनता, बार-बार टूटने वाला लम्ब, व्यास अंतराल, ढोली बाइंडिंग, उच्च वर्णक्रम क्षीणता, न्यून ऐम एफ डी, असंगत संरचना, खराब कोटिंग इत्यादि दोष पाए जाते हैं। कोरियाई फाइबर गुणवत्ता में याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित फाइबर में उच्च कोटि का होता है। डी ओ टी के विनिर्देशनों को पूरा करने के लिए प्रोइयूसिंग केबलों में एक दूसरे के स्थान पर प्रयोग किए जाने के तथ्य से गुणवत्ता में पूर्ण समानता प्रमाणित नहीं होती है। याचिकाकर्ता ने अपने सामान के बारे में विभिन्न शिकायतों और अस्थीकार्यता का खुलासा नहीं किया है।
- (छ) इसके अलावा, याचिकाकर्ता द्वारा सामान्य मूल्य का आकलन पूर्णतया गलत है। अन्य देशों को निर्यात की कीमत के साक्ष्य के रूप में याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत भाव दरें विश्वसनीय नहीं हैं, क्योंकि इसे अंतिम नहीं समझा जा सकता है। जिस कीमत पर अन्य देशों को ऑप्टिकल फाइबर का निर्यात किया जाता है, वह कीमत उन दरों के साथ तुलनीय होती है जिनपर उसका भारत को निर्यात किया गया है। इस प्रकार, भारत में संबंधित वस्तु का कोई पाठन नहीं हुआ है। क्योंकि कोई पाठन मार्जिन नहीं बनता है।
- (ज) जहां तक क्षति का संबंध है, यह बताया गया है कि याचिकाकर्ता द्वारा दर्शाए गए लाभ के आंकड़े गलत हैं। यह सत्यापित करने के लिए कि याचिकाकर्ता द्वारा आप्टिकल फाइबर के उत्पादन और विक्री में वृद्धि हुई है और लाभों में आप्टिकल फाइबर डिविजन का योगदान रहा है, समाचार पत्रों की रिपोर्टों को उद्धृत किया गया है। इसके अलावा, यह कहा गया है कि याचिकाकर्ता द्वारा कथित रूप से उठाया गया घाटा विभिन्न बाह्य कारणों से हो सकता है जिनमें से एक कारण रद्दीकरण डी उच्च दर हो सकती है।
- (झ) याचिकाकर्ता द्वारा पाठन का आरोप पूर्णतः निराधार है। आप्टिकल फाइबर की कीमतों में गिरावट एक अन्तर्राष्ट्रीय परिदृष्टि है और दक्षिण कोरिया से कम कीमत पर हुई आपूर्ति असामान्य नहीं है। आप्टिकल फाइबर की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों में गिरावट नहीं और विस्तृत क्षमताओं की उपलब्धता, निर्माण पूर्व कीमतों में गिरावट, प्रक्रिया में सुधार विनिर्माण प्रक्रिया में सुधार, और कोरिया के मामले में खासतौर पर अमरीकी डालर के मुकाबले बाँच के अवभूल्यन के कारण आई है।
- (ञ) इसके अलावा यह बताया गया है कि याचिकाकर्ता को कोई क्षति नहीं हुई है क्योंकि उनका लाभ और कुल कारोबार निष्पादन काफी उच्च रहा है। याचिकाकर्ता की बिक्रियों में वृद्धि हुई है और एकमात्र आपूर्तिकर्ता होने के नाते उनका घरेलू बाजार में एकाधिकार है।
3. II. निर्यातकों के विचार :
- (क) याचिकाकर्ता भारत में ऑप्टिकल फाइबर के पांच विनिर्माताओं में से एक है, जिसका कुल घरेलू उत्पादन में 80% से अधिक का हिस्सा बनता है। लेकिन दक्षिण कोरिया से ऑप्टिकल फाइबर के पाठन का आरोप लगाने वाले इस याचिका में अन्य कोई विनिर्माता पार्टी नहीं है। इससे यह सिद्ध होता है कि न तो कीमत और न ही दक्षिण कोरिया द्वारा आपूर्ति किए गए ऑप्टिकल फाइबर की मात्रा से भारत में उनका फाइबर केबल कारोबार प्रभावित हुआ है।
- (ख) हालांकि स्ट्रलाइट ने कोरिया के आपूर्तिकर्ताओं के समान विनिर्माण प्रक्रिया का प्रयोग किया है तथापि वे प्रतिस्पर्धी कीमतों पर उत्तम गुणवत्ता वाली सामग्री की आपूर्ति करने की स्थिति में नहीं हैं। यह मुख्य कारण है जिसकी वजह से भारत में फाइबर ऑप्टिकल के विनिर्माता विदेशी आपूर्तिकर्ताओं से इस सामग्री की खरीद को लाभदायक मानते हैं।
- (ग) इसके अलावा, यह बताया गया है कि याचिकाकर्ता भारतीय ऑप्टिकल फाइबर के बाजार में एकाधिकार की स्थिति में है और वह अपनी खुद की शर्त व कीमत धोपता है। दूसरी ओर कोरिया के आपूर्तिकर्ता का उद्देश्य ऑप्टिकल फाइबर की खरीद और कम दरों पर केबलों के विनिर्माण में भारतीय केबल विनिर्माताओं एवं डी ओ टी की मदद करता है जिसके तहत दूर-संचार नेटवर्क के विकास का भारत में संबंधन होगा।
- (घ) एक प्रश्न यह उठाया गया है कि क्या याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित ऑप्टिकल फाइबर की गुणवत्ता संबंधी समस्या के मद्देनजर कोरियाई कंपनियों पर पाठनरोधी शुल्क का लगाया जाना भारतीय केबल उद्योग के लिए मददगार हो सकता है। यह बताया गया है कि घरेलू उद्योग को क्षति स्ट्रलाइट की गुणवत्ता संबंधी समस्याओं खासकर अत्यधिक क्षीणता और फाइबर के टूटने के परिणामस्वरूप हुई है।

- (ङ) कोरियाई निर्यातक ने आगे जांच अवधि के दौरान विश्व फाइबर के बाजार में आपूर्ति से हुए भारी अधिशेष का उल्लेख किया है जिसके परिणामस्वरूप फाइबर की कीमतों में विश्वव्यापी कमी आई है। इस प्रकार उक्त अवधि के दौरान फाइबर की कीमतों में गिरावट एक अन्तर्राष्ट्रीय परिदृश्य है।
- (च) याचिकाकर्ता की खुद की निर्यात कीमत के रुक्ण, जो 1997-98 में 56.1 अमरीकी डालर से नाटकीय ढंग से घटकर 1998 की दूसरी छमाही के दौरान 32.2 अमरीकी डालर हो गया, से आप्टिकल फाइबर की अन्तर्राष्ट्रीय बाजार कीमत के गिरते हुए रुख की पुष्टि होती है।
- (छ) क्षति के साक्ष्य के रूप में याचिकाकर्ता ने यह आरोप लगाया कि भारत में उनका बाजार हिस्सा 1998-99 की अवधि में घटकर 64% हो गया है। तथापि 64% का बाजार हिस्से का होना सर्वथा मजबूत स्थिति का द्योतक है जो कंपनी को बाजार में एकाधिकारी शक्ति का इस्तेमाल करने में सक्षम बनाती है। कंपनी की मंशा भारतीय बाजार में अपने प्रभुत्व को बनाए रखने के लिए पाठनरोधी प्रक्रिया का इस्तेमाल करने की है।

जहां तक निवल घाटे में बृद्धि का संबंध है कोरियाई निर्यातक ने यह बताया है कि यह उत्पादन क्षमता में भारीबृद्धि के कारण हो सकता है। भारी निवेशों के परिणामस्वरूप मूल्य-हास लागत और शुरु आती लागत के अत्यधिक बोझ से निःसंदेह कंपनी की वित्तीय स्थिति प्रभावित होती है। इसलिए यह आरोप कि घाटे में बृद्धि आरोपित पाटित अयातों के कारण हुई है, स्वीकार्य नहीं है।

इसके अलावा, याचिकाकर्ता के अनुसार, याचिकाकर्ता की बिक्री की मात्रा में वर्ष 1996-97 और 1997-98 के दौरान पर्याप्त रूप से बृद्धि हुई। उनसे प्राप्त सूचना के अनुसार इस आधार पर किसी प्रकार की क्षति का संकेत नहीं मिलता है।

(घ) उठाए गए मुद्दों की जाँच

4. निर्यातकों, आयातकों, याचिकाकर्ता और अन्य हितबद्ध पार्टियों द्वारा किए गए उपर्युक्त अनुरोधों पर नियमानुसार जिस सीमा तक वे संगत हैं और मामले पर जिस सीमा तक इनका प्रभाव है, जाँच और विचार किया गया है तथा इन जांच परिणामों में उन पर उचित स्थानों पर कारबाई की गई है।

(ङ) विचाराधीन उत्पाद

5. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के सीमाशुल्क उप-शीर्ष सं. 9001.10 के अधीन वर्गीकृत संबद्ध देश के मूल के या वहां से निर्यातित ऑप्टिकल फाइबर है। यह वर्गीकरण केवल संकेतिक है और यह वर्तमान जांच के कार्यक्षेत्र पर किसी प्रकार से व्याधिकारी नहीं है। ऑप्टिकल फाइबर का उपयोग ध्वनि, आँकड़ा और विडियो संकेतों के प्रभावी प्रसारण के लिए लाग्हाल टेलीकम्युनिकेशन एप्लिकेशन्स, सीएटीबी और नेटवर्किंग एप्लिकेशन्स में होता है।

(च) समान वस्तुएं

6. याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि उसके उत्पाद और संबद्ध देश के समान पाटित उत्पाद में कोई अन्तर नहीं है। दोनों की तकनीकी विशेषताएं समान हैं और दोनों का अंतिम प्रयोग भी समान है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता के उत्पाद और कथित रूप से पाटित तकनीकी और वाणिज्यिक दोनों रूप से स्थानापन्न हैं। निर्यातक/प्रयोक्ता आयातित और घरेलू ऑप्टिकल फाइबर की खपत एक दूसरे की जगह कर रहे हैं। प्राधिकारी आगे यह भी नोट करते हैं कि भारत में घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित ऑप्टिकल फाइबर के संबद्ध देश से आयातित ऑप्टिकल फाइबर से बिल्कुल मिलते-जुलते हैं। इस प्रकार प्राधिकारी दोनों को पाठनरोधी नियमों की परिभाषा के अधीन समान वस्तुएं मानते हैं।

(छ) घरेलू उद्योग

यह याचिका मै. स्टलाईट उद्योग लिमि., एम आई डी सी, बालूज, औरंगाबाद, महाराष्ट्र द्वारा दावर की गई है। याचिकाकर्ता सहित भारत में ऑप्टिकल फाइबर के पांच उत्पादक हैं। इन पांच उत्पादकों में से एक दावर याचिका का विरोध कर रहा है। प्राधिकारी भोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान ऑप्टिकल फाइबर का कुल घरेलू उत्पादन 3,26,380 कि.मी. था जिसमें से याचिकाकर्ता मैसर्स स्टलाईट इंडस्ट्रीज लि. ने 2,56,380 कि.मी. का उत्पादन किया। इस प्रकार, याचिकाकर्ता ने जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा संबद्ध माल के उत्पादन का 50% से अधिक का उत्पादन किया है और इसलिए प्राधिकारी नोट करते हैं कि वे नियमानुसार घरेलू उद्योग की ओर से याचिका दर्ज करने के लिए अपेक्षित अधिकार रखते हैं।

(ज) पाटन

8. सीमाशुल्क टैरिफ (संशोधन) अधिनियम, 1995 की धारा 9क (1) (ग) के अनुसार पाटन के मापदंडों अर्थात् संबद्ध देश के निर्यातकों के संबंध में सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटनसीमा की जांच की जाती है तथा उनका निर्धारण किया जाता है।

9. संबद्ध माल के निर्यातकों से सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के संबंध में सूचना प्राधिकारी ने संबद्ध देश के इन निर्यातकों को प्रश्नावली भेजकर प्राप्त की थी। सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के संबंध में निर्यातकों द्वारा किए गए दावे नियमानुसार हैं:—

(झ) सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के संबंध में निर्यातकों का दावा

10. देश : दक्षिण कोरिया

(i) निर्यातक : देश कारपोरेशन

सामान्य मूल्य

निर्यातक के प्रश्नावली के उत्तर को अपूर्ण पाया गया है। उत्तर केवल भारत को किए गए निर्यात और भारत से इतर देशों को किए गए निर्यात को दर्शाता है। विभिन्न शीर्षों के अधीन समायोजनों के संबंध में अपेक्षित सूचनाएं प्रस्तुत नहीं की गई हैं। इसके अलावा, निर्यातक ने भारत को निर्यात और दूसरे देशों को निर्यात के मामले में निवल बिक्री राजस्व, बिक्री कीमत छांचा, कारखाना द्वार के बाद के शुल्कों इत्यादि के संबंध में महत्वपूर्ण सूचना प्रस्तुत नहीं की है। इस तरह, सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के संबंध में कोई दावा नहीं किया गया है। निर्यातक के उत्तर से यह स्पष्ट है कि निर्यातक ने संबद्ध माल की कोई घरेलू बिक्री नहीं की है। इसके अलावा, तीसरे देशों के निर्यात के बारे में सूचना सामूहिक रूप से दी गई है न कि देशवार। याचिकाकर्ता ने, दूसरी तरफ सामान्य मूल्य और उस पर समायोजन का दावा एक उचित तीसरे देश के निर्यातकों के मूल्य के आधार पर किया है। इस संबंध में याचिकाकर्ता ने जांच अधिक के दौरान वियतनाम को किए गए कोरियाई निर्यात के मूल्य की सूचना प्रस्तुत की है। ये सूचनाएं कोरिया सीमाशुल्क संछिकी से ली गई हैं जो यियोल स्थित भारतीय दूतावास ने प्रस्तुत की है। याचिकाकर्ता ने वियतनाम को इस आधार पर एक उचित तीसरा देश होने का दावा किया है क्योंकि वियतनाम और भारत दोनों ऐसे विकासशील देश हैं जिनकी अर्थव्यवस्था कम लागत यात्री हैं और इनकी बाजार स्थिति एक समान है।

इस प्रकार याचिकाकर्ता ने वियतनाम को दक्षिण कोरियाई निर्यात के भारित औसत मूल्य के आधार पर सामान्य मूल्य का दावा किया है अर्थात् 38.70 अमरीकी डालर/कि.मी. और उस पर दावा की गई भाड़ा, बीमा और कमीशन के लिए 0.857 अमरीकी डालर/कि.मी. के समायोजन का दावा किया है।

निर्यात कीमत

याचिकाकर्ता ने भारत को किए गए निर्यात के लिए कीमत का दावा संबद्ध देश द्वारा भारत को किए गए निर्यात के मामले में 22.93 अमरीकी डालर/कि.मी. भारित औसत निर्यात कीमत के आधार पर और उस पर भाड़ा, बीमा और कमीशन के कारण 0.857 अमरीकी डालर/कि.मी. के समायोजन के आधार पर किया है। इस प्रकार कारखाना द्वार स्तर पर 22.07 अमरीकी डालर/कि.मी. निर्यात कीमत का दावा किया गया है।

(ii) निर्यातक : एल जी केबल्स एंड मशीनरी लिमि.

सामान्य मूल्य

मैं एल जी केबल्स ने कोई घरेलू बिक्री नहीं की है जैसाकि उसके उत्तर से स्पष्ट है। तथापि, निर्यातक ने तीसरे देशों (भारत को छोड़कर) को निर्यात की सूचना प्रस्तुत की है मुख्य रूप से चीन, वियतनाम, आस्ट्रिया, इजराइल, स्थिटजरलैंड और जर्मनी के संबंध में। इन देशों के लिए माहावार सूचना केवल इन देशों के निर्यात की ईकाई कीमत और भाग्य के संबंध में प्रस्तुत की गई है। निर्यात कीमत पर समायोजन के संबंध में कोई सूचना प्रस्तुत नहीं की गई है और न ही निवल बिक्री राजस्व के संबंध में कोई सूचना दी गई है। भारित औसत इकाई निर्यात कीमत चीन के संबंध में *****अमरीकी डालर/कि.मी., वियतनाम के लिए ****अमरीकी डालर/कि.मी. और स्थिटजरलैंड के लिए ****अमरीकी डालर/कि.मी. और जर्मनी के लिए ****अमरीकी डालर/कि.मी. का दावा किया गया है।

निर्यात कीमत

भारत को निर्यात की कीमत के संबंध में सूचना बीजक-वार प्रस्तुत की गई है। मैं एल जी केबल्स द्वारा भारत को **** कि.मी. के कुल निर्यात के सी आई एफ मूल्य ****अमरीकी डालर का दावा किया गया है। इस प्रकार, भारत को निर्यात के लिए भारित औसत सी आई एफ मूल्य ****अमरीकी डालर/कि.मी. का दावा किया गया है। समुद्री भाड़ा, बीमा और एंजेंसी कमीशन के लिए समायोजन का दावा किया गया है जो **** अमरीकी डालर/कि.मी. बैठता है। इस प्रकार, कारखाना द्वार स्तर पर निर्यात कीमत ****अमरीकी डालर/कि.मी. का दावा किया गया है।

(iii) निर्यातक : तझान इलैक्ट्रिक वाधार के लिमि.

सामान्य मूल्य

निर्यातक ने जांच अधिक के दौरान भारित औसत घरेलू बिक्री मूल्य ****अमरीकी डालर/कि.मी. की दर से दावा किया है। ****अमरीकी डालर/कि.मी. के समायोजन का दावा स्वदेशी भाड़ा, रखरखाव और करों के आधार पर किया गया है। इस प्रकार, सामान्य मूल्य अर्थात् कारखाना द्वार स्तर पर घरेलू बिक्री कीमत के लिए ****अमरीकी डालर/कि.मी. की दर से दावा किया गया है।

निर्यात कीमत

भारत को किए गए निर्यात के लिए भारित औसत निर्यात कीमत ****अमरीकी डालर/कि.मी. की दर से किया गया है और स्वदेशी भाड़ा, रखरखाव, विदेशी भाड़ा, विदेशी बीमा और अन्य खर्चों के लिए समायोजनों का दावा ****अमरीकी डालर/कि.मी. किया गया है। इस प्रकार भारत को किए गए निर्यात की कीमत का कारखाना द्वार स्तर पर दावा ****अमरीकी डालर/कि.मी. की दर से किया गया है।

(iv) निर्यातक : सैमसुग इलैक्ट्रोनिक्स के लिमि.

सामान्य मूल्य

सामान्य मूल्य का दावा भारत से इतर तीसरे देशों को किए गए निर्यात की कीमत के आधार पर किया गया है। निर्यातक ने भारित औसत निर्यात कीमत हांगकांग के लिए ****अमरीकी डालर/कि.मी., चीन के लिए ****अमरीकी डालर/कि.मी. और फ्रांस के लिए ****अमरीकी डालर/कि.मी. की दर से किया है और समायोजनों का दावा सीमा शुल्क, निकासी शुल्क, हवाई भाड़ा, बीमा और शाखा व्यवस्था के आधार पर किया गया है।

इस प्रकार, इन देशों को भारित औसत कारखानागत निर्यात कीमत अर्थात् सामान्य मूल्य का दावा क्रमशः ***अमरीकी डालर/कि.मी., ***अमरीकी डालर/कि.मी. और ***अमरीकी डालर/कि.मी. की दर से किया गया है।

निर्यात कीमत

भारत के लिए भारित औसत निर्यात कीमत (सी आई एफ) का दावा ***अमरीकी डालर/कि.मी. की दर से किया गया है और कमीशन, सीमाशुल्क निकासी शुल्क, हवाई भाड़ा एवं बीमा के कारण समायोजनों का दावा ***अमरीकी डालर/कि.मी. की दर से किया गया है। इस प्रकार फैक्ट्री स्तर पर निर्यात कीमत का दावा ***अमरीकी डालर/कि.मी. की दर से किया गया है।

ज. सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत के संबंध में निर्यातक के दावों की प्राधिकारी द्वारा जांच

11. निर्यातक : मै. देवू कॉरपोरेशन

प्राधिकारी ने निर्यातक द्वारा प्रश्नावली के दिए गए उत्तर की जांच की और उसे अपूर्ण पाया। प्राधिकारी यह पाते हैं कि निर्यातक ने भारत के लिए निर्यात कीमत के बारे में विभिन्न समायोजनों के संबंध में महत्वपूर्ण सूचनाएं तथा अन्य देशों के लिए इसी प्रकार की सूचनाएं नहीं दी हैं। इसके अलावा, निर्यातक ने भारत को हुए निर्यातों तथा किसी उचित अन्य देश को हुए निर्यातों, दोनों के संबंध में निबल बिक्री राजस्व, बिक्री मूल्य संरचना, कारखाना-द्वार पर लागत आदि के संबंध में सूचनाएं प्रस्तुत नहीं की हैं। निर्यातक के उत्तर में इन अपेक्षित सूचनाओं के अभाव में प्राधिकारी के पास सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत के निर्धारण के लिए याचिकाकर्ता द्वारा दी गई सूचनाओं पर भरोसा करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।

सामान्य मूल्य :

प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि निर्यातक द्वारा संषद्ध वस्तु की कोई घरेलू बिक्री नहीं की गई है। इस प्रकार प्राधिकारी सामान्य मूल्य का निर्धारण याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत की गई सूचनाओं और बाद में सरकारी स्रोतों से एकत्र की गई सूचनाओं के अनुसार संबद्ध देश द्वारा किसी उचित अन्य देश को किए गए निर्यातों की प्रतिनिधि कीमत के आधार पर किया गया है। इस संबंध में प्राधिकारी निम्नलिखित दो कारणों से वियतनाम को एक उचित अन्य देश मानते हैं :

- (क) वियतनाम एक विकासशील देश है और उसके बाजार की तुलना भारतीय बाजार से की जा सकती है;
- (ख) भारत और वियतनाम दोनों की कम लागत की अर्थ व्यवस्थाएं हैं और उनकी बाजार स्थितियां एक जैसी हैं।

प्राधिकारी कोरियाई सीमा शुल्क आंकड़ों के अनुसार जांच अवधि के दौरान वियतनाम को नियर्यात किए गए सातथ कोरियाई ऑप्टिकल फाईबर की 38.70 अमरीकी डालर/कि.मी. की भारित औसत निर्यात कीमत को हिसाब में लेते हैं और भाड़ा, बीमा और बिक्री कमीशन के कारण याचिकाकर्ता द्वारा उस पर दावा किये गए 0.857 अमरीकी डालर/कि.मी. के समायोजनों जिनकी प्राधिकारी ने अनुमति दी है, पर विचार करते हैं। इस प्रकार प्राधिकारी सत्यापन के अधीन रहते हुए प्रारम्भिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ सामान्य मूल्य की गणना 37.84 अमरीकी डालर/कि.मी. के रूप में करते हैं।

निर्यात कीमत

प्राधिकारी भारत को हुए निर्यात की भारित औसत कीमत 22.93 अमरीकी डालर/कि.मी. मानते हैं, जैसा कि याचिकाकर्ता द्वारा दावा किया गया है और याचिकाकर्ता द्वारा दावाकृत भाड़ा, बीमा एवं बिक्री कमीशन के लिए 0.857 अमरीकी डालर/कि.मी. के समायोजनों पर विचार करते हैं। प्राधिकारी ने इन समायोजनों की अनुमति दी है और भारत के लिए कारखानागत निर्यात कीमत का निर्धारण 22.07 अमरीकी डालर/कि.मी. की दर से किया है।

पाठन मार्जिन

इस प्रकार से निर्धारित की गई निर्यात कीमत के साथ सामान्य मूल्य की तुलना करने के बाद प्राधिकारी ने पाठन मार्जिन का निर्धारण 15.77 अमरीकी डालर/कि.मी. की दर से किया है, जो निर्यात कीमत का 71.45% बैठता है।

निर्यातक : एल जी केबल्स एंड मशीनरी लिं.

सामान्य मूल्य :

प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि निर्यातक ने जांच अवधि के दौरान भारत से भिन्न अन्य देशों अर्थात् चीन, वियतनाम, आस्ट्रिया, जर्मनी, स्क्रिटजरलैंड इत्यादि को हुए निर्यातों के बारे में सूचनाएं प्रस्तुत की हैं और यह कि उनकी (निर्यातक की) कोई घरेलू बिक्री नहीं हुई है। इसलिए प्राधिकारी सामान्य मूल्य के आधार के रूप में किसी समुचित अन्य देश के लिए निर्यात कीमत पर विचार करते हैं। इस संबंध में पूर्वोक्त कारणों से वियतनाम को एक उचित अन्य देश के रूप में समझा गया है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान निर्यातक द्वारा वियतनाम के लिए भारित औसत निर्यात कीमत का दावा ***अमरीकी डालर/कि.मी. का किया गया है। तथापि, न तो किसी समायोजन का दावा किया गया है और न ही निबल बिक्री राजस्व के बारे में कोई सूचना प्रस्तुत की गई है। अतः प्राधिकारी याचिकाकर्ता द्वारा किए गए दावे के अनुसार भाड़ा, बीमा और बिक्री कमीशन के कारण 0.857 अमरीकी डालर/कि.मी. के समायोजनों को हिसाब में लेते हैं। इस प्रकार प्राधिकारी निर्यातक द्वारा किए गए दावे के अनुसार समायोजनों को ध्यान में रखते हुए सामान्य मूल्य का निर्धारण *** अमरीकी डालर/कि.मी. की दर से करते हैं। तथापि, सामान्य मूल्य का ऐसा निर्धारण केवल प्रारम्भिक निर्धारण है जो सत्यापन के अधीन है।

निर्यात कीमत :

जहां तक निर्यात कीमत का संबंध है, प्राधिकारी भारत के लिए *** अमरीकी डालर/कि.मी. की भारित औसत निर्यात कीमत को जैसा कि निर्यातक द्वारा दाखा किया गया है कि और समुद्री भाड़े, बीमा एवं एजेंसी कमीशन, जिसकी प्राधिकारी ने अनुमति दी है, के कारण दाखा किए गए *** अमरीकी डालर/कि.मी. के भारित औसत समायोजनों को हिसाब में लेते हैं। इस प्रकार प्राधिकारी कारखानात निर्यात कीमत *** अमरीकी डालर/कि.मी. की दर से निकालते हैं।

पाटन मार्जिन :

पूर्वोक्त ढंग से निर्धारित सामान्य मूल्य के साथ निर्यात कीमत की तुलना करने पर प्राधिकारी *** अमरीकी डालर/कि.मी. की दर से पाटन मार्जिन का निर्धारण करते हैं, जो निर्यात कीमत का 77.22% बैठता है।

निर्यातक : मै० ताइहान इलैक्ट्रिक वायर कं० लि०

सामान्य मूल्य :

प्राधिकारी जांच अवधि के दौरान *** अमरीकी डालर/कि.मी. की दर से भारित औसत घरेलू बिक्री कीमत को स्वीकार करते हैं, जैसा कि निर्यातक द्वारा दाखा किया गया है। निर्यातक द्वारा किए गए दाखे के अनुसार प्राधिकारी ने स्वदेशी भाड़े, हैंडलिंग एवं करों के कारण *** अमरीकी डालर/कि.मी. के समायोजनों की भी अनुमति दी है। अतः प्राधिकारी सत्यापन के अधीन रहते हुए प्रारम्भिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ सामान्य मूल्य का आकलन *** अमरीकी डालर/कि.मी. की दर से करते हैं।

निर्यात कीमत :

प्राधिकारी भारत के लिए *** अमरीकी डालर/कि.मी. की भारित औसत निर्यात कीमत के निर्यातक के दाखे को स्वीकार करते हैं। प्राधिकारी द्वारा विदेशी भाड़े स्वदेशी भाड़े, हैंडलिंग, विदेशी बीमा और अन्य खर्चों के कारण दाखा किए गए *** अमरीकी डालर/कि.मी. के समायोजनों की भी अनुमति दी जाती है। इस प्रकार प्राधिकारी कारखाना स्तर पर निर्यात कीमत का निर्धारण *** अमरीकी डालर/कि.मी. की दर से करते हैं।

पाटन मार्जिन :

भारत के लिए निर्यात कीमत की तुलना उपरोक्तानुसार निर्धारित सामान्य मूल्य के साथ करते हुए प्राधिकारी डम्पिंग मार्जिन का निर्धारण *** अमरीकी डालर/कि.मी. की दर से करते हैं, जो निर्यात कीमत का 13.75% बैठता है।

निर्यातक : मै० सैमसुग इलैक्ट्रॉनिक्स कंपनी लि०

सामान्य मूल्य :

प्राधिकारी अन्य देशों अर्थात् हांगकांग, चीन एवं फ्रांस के लिए भारित औसत निर्यात कीमत को स्वीकार करते हैं जैसा कि निर्यातक ने प्रश्नावली के अपने उत्तर में दाखा किया है जिसकी पुष्टि करते हुए वास्तविक बीजक विधिवत संलग्न किए गए हैं, जिसकी प्रतियां निर्यातक द्वारा प्रस्तुत की गई हैं। चूंकि बीजक निर्यातों का दस्तावेजी साक्ष्य होता है, इसलिए प्राधिकारी को बीजकों के अनुसार सामान्य मूल्य को स्वीकार करना पड़ा है। इस प्रकार हांगकांग, चीन और फ्रांस के लिए भारित औसत निर्यात कीमत का निर्धारण क्रमशः *** अमरीकी डालर/कि.मी.; *** अमरीकी डालर/कि.मी. और *** अमरीकी डालर/कि.मी. की दर से किया गया है। इन तीनों देशों में से जिनके बारे में सूचना प्रस्तुत की गई है, प्राधिकारी चीन को उचित अन्य देश के रूप में मानते हैं क्योंकि चीन भारत के समान कम लागत की अर्थ व्यवस्था बाला देश है और उसको बाजार स्थितियां भारत के समान हैं।

इस प्रकार प्राधिकारी सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ निर्यातक द्वारा प्रस्तुत किए गए बीजकों के अनुसार चीन के लिए निर्यात कीमत और उस पर दाखा किए गए समायोजनों को हिसाब में लेते हैं। इस प्रकार प्राधिकारी जांच अवधि के दौरान चीन के लिए भारित औसत सी आई एफ कीमत का निर्धारण *** अमरीकी डालर/कि.मी. की दर से करते हैं। प्राधिकारी द्वारा सीमाशुल्क निकासी शुल्क, वायु भाड़े, बीमा और चीन को उनके नियातों के लिए ऋण खर्चों के कारण नियातक द्वारा किए गए दाखे के अनुसार *** अमरीकी डालर/कि.मी. के समायोजनों की भी अनुमति दी जाती है। इस प्रकार सामान्य मूल्य *** अमरीकी डालर/कि.मी. की दर से निर्धारित किया गया है।

निर्यात कीमत :

नियातक द्वारा प्रस्तुत किए गए बीजकों द्वारा पुष्टिकृत भारत को किए गए नियात का भारित औसत सी आई एफ मूल्य *** अमरीकी डालर/कि.मी. की दर से निर्धारित किया गया है। प्राधिकारी द्वारा कमीशन, सीमा शुल्क, निकासी शुल्क, वायु भाड़े एवं बीमा के कारण *** अमरीकी डालर/कि.मी. के भारित औसत समायोजनों की भी अनुमति दी गई है, जैसा कि नियातक द्वारा दाखा किया गया है। इस प्रकार प्राधिकारी कारखाना स्तर पर भारत के लिए नियात कीमत का निर्धारण *** अमरीकी डालर/कि.मी. की दर से करते हैं।

पाटन मार्जिन

सामान्य मूल्य की तुलना इस प्रकार निर्धारित नियात कीमत के साथ करते हुए प्राधिकारी ने *** अमरीकी डालर/कि.मी. का पाटन मार्जिन

शेष नियांतक

संबद्ध देश के अन्य सभी नियांतकों यदि कोई हों, के संबंध में जिनका नाम याचिकाकर्ता द्वारा नहीं दिया गया है अथवा जिन्होंने प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है। प्राधिकारी ने संबद्ध देश के सहयोगी नियांतकों के लिए निर्धारित मार्जिनों में से सबसे अधिक मार्जिन पर पाटन मार्जिन का निर्धारण किया है।

इस प्रकार, संबद्ध देश के नियांतकों के संबंध में कारखानागत नियांत कीमत के % के रूप में पाटन मार्जिन का निम्नानुसार निर्धारण किया गया है :—

देश	नियांतक	पाटन मार्जिन
कोरिया गणराज्य	1. देवू कारपोरेशन 2. एल जी केबल्स एंड मशीनरी लि. 3. तेहान इलेक्ट्रिक वायर कं. लि. 4. सैमसुंग इलैक्ट्रॉनिक्स कंपनी लि. 5. अन्य सभी नियांतक	71.45% 77.22% 13.75% 14.11% 77.22%

(ट) क्षति

अक्षति

12. प्राधिकारी ने नोट किया है कि याचिकाकर्ता ने संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति का दावा किया है। प्राधिकारी ने सभी संगत तथ्यों को ध्यान में रखते हुए और पूर्वोक्त नियम II तथा उक्त नियमों के अनुबंध 11 में निर्धारित सिद्धांतों के अनुसार घरेलू उद्योग को हुई क्षति के इस दावे की जांच की है।

क्षति के निर्धारण के लिए प्राधिकारी ने भारत में घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच की है। इस संबंध में, प्राधिकारी ने उक्त नियमों के अनुबंध 11(iv) के अनुसार, उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री-मात्रा, लाभप्रदता, निष्पत्र बिक्री प्राप्ति, पाटन की मात्रा और मार्जिन आदि जैसे घरेलू उद्योग को स्थिति पर प्रभाव डालने वाले संकेतकों पर विचार किया है।

(क) उत्पादन क्षमता और क्षमता उपयोग :

प्राधिकारी ने नोट किया है कि याचिकाकर्ता की स्थापित क्षमता, जो 1996-97 और 1997-98 की अवधियों के दौरान 2,00,000 कि.मी. प्रति वर्ष की थी, वर्ष 1998-99 के दौरान बढ़कर 10,00,000 कि.मी. प्रति वर्ष हो गई है। इसके अलावा, यह देखा गया है कि यद्यपि उत्पादन में जांच अवधि के दौरान पिछले दो वर्षों की तुलना में संपूर्ण रूप से वृद्धि हुई है तथापि, क्षमता उपयोग पिछले वर्ष अर्थात् 1997-98 के दौरान 67.25% की तुलना में जांच अवधि के दौरान घटकर 25.63 रह गया है।

(ख) आयातों की मात्रा

सरकारी अभिकरण डी जी सी आई एंड एस द्वारा प्रकाशित आंकड़ों के अनुसार पिछले दो वर्षों और जांच अवधि के दौरान संबद्ध देश से हुए आयातों की मात्रा निम्नानुसार है :—

वर्ष	मात्रा
1996-97	5626 किग्रा.
1997-98	9964 किग्रा.
जांच के अवधि के दौरान	28,887 किग्रा.

उपरोक्त आंकड़ों से यह पाया गया है कि जांच अवधि के दौरान संबद्ध देश से हुए आयातों की कुल मात्रा में वर्ष 1997-98 की तुलना में लगभग 190% और वर्ष 1996-97 की तुलना में 413% की वृद्धि दर्ज की गई है।

(ग) निष्पत्र बिक्री प्राप्ति

प्राधिकारी ने पाया है कि औसत बिक्री प्राप्ति वर्ष 1996-97 के दौरान रु. कि.मी., वर्ष 1997-98 के दौरान रु. कि.मी., और जांच अवधि के दौरान रु. कि.मी. थी। यह वर्ष 1996-97 की अवधि के दौरान रु. कि.मी. से घटकर वर्ष 1997-98 में रु. कि.मी. रह गई। जांच अवधि के दौरान औसत बिक्री प्राप्ति आगे और घटकर रु. कि.मी. रह गई।

(घ) लाभप्रदता

प्राधिकारी ने पाया है कि याचिकाकर्ता को जांच अवधि के दौरान और साथ ही साथ पिछले वर्ष अर्थात् 1997-98 के दौरान घाटा हुआ है और ऑप्टिकल फाईबर का प्रति कि. मी. घाटा 1997-98 के दौरान हुए रु. से बढ़कर जांच अवधि के दौरान रु. हो गया है।

(ङ) अंतिम स्टॉक

याचिकाकर्ता का अंतिम स्टॉक 1997-98 के दौरान 8279 कि.मी. से बढ़कर जांच अवधि के दौरान 19,717 कि.मी. पाया गया है।

(च) बिक्री मात्रा

याचिकाकर्ता की बिक्री वर्ष 1996-97 के दौरान 40428.78 कि.मी. से बढ़कर वर्ष 1997-98 के दौरान 129343.2 कि.मी. हो गई है। जांच अवधि के दौरान यह बिक्री आगे और बढ़कर 234539.86 कि.मी. की हो गई है।

(ठ) क्षति संबंधी निष्कर्ष

13. पैरा 12 में दिए गए उपरोक्त अभिमतों को देखते हुए प्राधिकारी निम्न निष्कर्षों पर पहुंचे हैं :—

(क) पिछले दो वर्षों की तुलना में जांच अवधि के दौरान संबद्ध देश से आयातों की मात्रा में भारी वृद्धि हुई है।

(ख) पिछले वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान याचिकाकर्ता के क्षमता उपयोग में गिरावट आई है।

(ग) पिछले दो वर्षों की तुलना में जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की औसत बिक्री प्राप्ति में गिरावट आई है। जांच अवधि के दौरान यह गिरावट वर्ष 1997-98 के दौरान औसत निवल बिक्री कीमत की तुलना में 20% के आसपास रही है और वर्ष 1996-1997 के दौरान निवल बिक्री प्राप्ति की तुलना में यह गिरावट लगभग 38% है।

(घ) जांच अवधि के दौरान याचिकाकर्ता को हुए घाटे में पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 125% की वृद्धि हुई है।

(ङ) कारणात्मक संबंध

14. प्राधिकारी ने पाया है कि संबद्ध देश से भारी मात्रा में हुए आयातों के कारण से ही याचिकाकर्ता के बाजार हिस्से में गिरावट आई है। इसमें घरेलू ऑप्टिकल फाइबर की कीमतों में आई कमी का भी प्रभाव था जिससे घरेलू उद्योग को यह उत्पाद अलाभकारी मूल्यों पर बेचने के लिए बाध्य होना पड़ा, जो प्राधिकारी द्वारा यथा निर्धारित नुकसान राहित बिक्री मूल्य से कम है। प्राधिकारी का यह मानना है कि अन्य देशों को किए गए अपने निर्यात मूल्य की तुलना में सम्बद्ध देश से कम मूल्य पर हुए पाटिंग आयातों के कारण याचिकाकर्ता को कोरिया से हुए कम निर्यात कीमतों के बराबर अपनी कीमतों को रखने के लिए बाध्य होना पड़ा था। परिणामस्वरूप, याचिकाकर्ता को उत्पादन और बिक्री में वृद्धि होने के बावजूद पर्याप्त हानि उठानी पड़ी। इसलिए घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति सम्बद्ध देश से हुए पाटिंग आयातों के कारण हुई थी।

(ङ) भारतीय उद्योग के हित और अन्य मुद्दे

15. सामान्य तौर पर पाटनरोधी शुल्क लगाने का उद्देश्य ऐसे पाटन को समाप्त करना है जिससे भारतीय उद्योग को नुकसान हो रहा है तथा भारतीय बाजार ऐसी खुली और उचित प्रतिस्पर्धा की पुनः स्थिति लाना जोकि देश के सामान्य हित में है।

16. यह माना जाता है कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से सम्बद्ध वस्तुओं के उपयोग से विनिर्भृत उत्पादों के कीमत स्तर प्रभावित होंगे और परिणामस्वरूप इन उत्पादों की सापेक्ष प्रतिस्पर्धात्मकता पर प्रभाव डाल सकता है। किन्तु, पाटनरोधी उपायों से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी, विशेषकर तब, जब पाटनरोधी शुल्क की लेवी उस राशि तक ही प्रतिबंधित कर दी जाए जो कि घरेलू उद्योग को हुए नुकसान को कम करने के लिए आवश्यक है। इसके विपरीत, पाटन द्वारा प्राप्त होने वाले अनुचित लाभों को समाप्त करने का उद्देश्य यह है कि भारतीय उद्योग के हास को रोका जाए और इस प्रकार ऑप्टिकल फाइबर के उपयोगकार्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध रहे। पाटनरोधी उपायों से सम्बद्ध देशों से आयात किसी भी प्रकार कम नहीं होंगे, इसलिए उपयोगकार्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

17. घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को दूर करने के लिए आवश्यक पाटनरोधी शुल्क की मात्रा को सुनिश्चित करने के निमित्त प्राधिकारी घरेलू उद्योग के लिए क्षमता उपयोग के ईस्टर्न स्तर पर उत्पादन की अधिकतम लागत पर विचार करके भारत में घरेलू उद्योग के लिए ऑप्टिकल फाइबर की उचित बिक्री कीमत पर विश्वास कर सकते हैं।

(ण) निष्कर्ष

18. पूर्वोक्त पर विचार करने के पश्चात् यह देखा गया है कि :

(क) कोरिया गणराज्य के मूल के अथवा वहां से निर्यातित ऑप्टिकल फाइबर का सामान्य मूल्य से कम मूल्य पर भारत को निर्यात किया गया है, जिसके कारण पाटन हुआ है;

(ख) भारतीय उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है;

(ग) क्षति संचयी रूप से संबंधित देश से आयातों के कारण हुई है।

19. यह आवश्यक समझा गया है कि अंतिम रूप से निर्धारण होने तक सम्बद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित ऑप्टिकल फाइबर के सभी आयातों पर अनन्ति पाटनरोधी शुल्क लगाया जाए।

20. प्राधिकारी ने पाटन मार्जिन के बराबर अथवा उससे कम पाटनरोधी शुल्क की राशि की सिफारिश करने पर विचार किया है, जिससे यदि लगाया जाता है तो उससे घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त हो जाएगी। इस प्रयोजनार्थ आयातों की औसत पहुंच कीमत की तुलना निर्यातक-बार जांच अवधि के लिए निर्धारित याचिकाकर्ता की क्षति राहित बिक्री कीमत के साथ की गई थी। जहां अन्तर पाटन मार्जिन से कम था वहां पाटन मार्जिन से

कम शुल्क लगाने की सिफारिश की जाती है। शेष निर्यातकों के संबंध में प्राधिकारी सहयोगी निर्यातकों/याचिकाकर्ता द्वारा नामजद निर्यातकों के लिए संस्तुत अधिकतम शुल्कों की सिफारिश करते हैं। तदनुसार यह प्रस्ताव किया जाता है कि अन्तिम निर्धारण होने तक सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के सीमाशुल्क के उप-शीर्ष सं 9001.10 के तहत आने वाले कोरिया गणराज्य मूल के अथवा वहां से निर्यातित सभी ऑप्टिकल फाइबर पर केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तिथि से अनन्तिम पाठनरोधी शुल्क लगाया जाए।

21. सम्बद्ध देश और इसके आयातकों के संबंध में अनन्तिम पाठनरोधी शुल्क नीचे दी गई तालिका के कॉलम 4 में उल्लिखित राशि होगी :—

क्र०सं०	देश	निर्यातक	राशि (रु० प्रति कि०मी०)
1.	कोरिया गणराज्य	1. देवू कारपोरेशन	(i) 564.00
		2. एल जी केबल्स एंड मशीनरी लि०	(ii) 610.14
		3. ताइहान इलैक्ट्रीक वायर कं० लि०	(iii) 122.25
		4. सैमसुंग इलैक्ट्रोनिक्स कं० लि०	(iv) 146.78
		5. अन्य सभी निर्यातक	(v) 610.14

22. इस उद्देश्य के लिए आयातों का पांच मूल्य सीमा शुल्क अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3क, 8ख, 9 तथा 9क के तहत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर सभी प्रकार के सीमा शुल्कों और सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 के अधीन सीमा शुल्क द्वारा निर्धारित निर्धारणीय मूल्य होगा।

(त) आगे की प्रक्रिया :

23. प्रारम्भिक निष्कर्षों को अधिसूचित करने के बाद निम्नलिखित प्रक्रिया का अनुसरण किया जाएगा :—

- (क) प्राधिकारी सभी इच्छुक पार्टीयों से इन निष्कर्षों के बारे में टिप्पणियां आमंत्रित करते हैं और उन पर अंतिम निष्कर्ष निकालते समय विचार किया जाएगा;
- (ख) प्राधिकारी द्वारा निर्यातकों, आयातकों, याचिकाकर्ताओं तथा अन्य हितबद्ध ज्ञात पार्टीयों को अलग से संवेदित किया जा रहा है, जो पत्र के प्रेषण की तारीख से 40 दिनों के अन्दर अपने विचार प्रस्तुत कर सकते हैं। कोई अन्य हितबद्ध पार्टी भी इन निष्कर्षों के प्रकाशन की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकती है;
- (ग) अंतिम निष्कर्षों को घोषणा करने से पहले प्राधिकारी आवश्यक तथ्यों को प्रकट करेंगे।

रति विनय झा, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE

NOTIFICATION

New Delhi, the 5th November, 1999

Subject : Anti-dumping investigation concerning imports of Optical Fibre from Korea RP.

Preliminary Findings

No. 24/1/99-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof;

A. Procedure

1. The procedure described below has been followed with regard to the investigation :

- i. The Designated Authority (hereinafter also referred to as Authority), under the above Rules, received a written application from M/s. Sterlite Industries Ltd. on behalf of the domestic industry, alleging dumping of Optical Fibre (hereinafter also referred to as subject goods) originating in or exported from South Korea.

ii. Preliminary scrutiny of the application filed by petitioner revealed certain deficiencies, which were subsequently rectified by the petitioner. The petition was therefore considered as properly documented;

iii The Authority, on the basis of sufficient evidence submitted by the petitioner decided to initiate the investigation against imports of Optical Fibre from Korea RP.

The Authority notified the Embassy of Korea RP about the receipt of dumping allegation before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-rule 5(5) of the Rules;

iv. The Authority issued a public notice dated 1st July, 1999 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti-dumping investigations concerning imports of Optical Fibre classified under customs sub-heading No. 9001.10 of the Customs Tariff Act, 1975 originating in or exported from Korea RP (hereinafter also referred to as the subject country).

v. The Authority also forwarded a copy of the public notice to all the known exporters (whose details were made available by the petitioner) of the subject goods and gave them an opportunity to make their views known in writing in accordance with the Rule 6(2);

vi. The Authority also forwarded a copy of the public notice to all the known importers (whose details were made available by petitioner) of Optical Fibre in India and industry associations and advised them to make their views known in writing within forty days from the date of issue of the letter;

vii. Request was made to the Central Board of Excise and Customs (CBEC) to arrange details of imports of Optical Fibre made into India during the past three years, including the period of investigation.

viii. The Authority provided a copy of the petition to the known exporters and the Embassy of the subject country in accordance with Rules 6(3) supra. A copy of the petition was also provided to other interested parties, wherever requested;

ix. The Authority sent a questionnaire to elicit relevant information, to the following known exporters, in accordance with the Rule 6(4);

Korea RP

- **Daewoo Corporation**
- **Taihan Electric Wire Co. Ltd.**
- **Samsung Electronics Co. Ltd.**
- **L.G.Cable & Machinery Ltd.**

A number of parties requested for extension of time to submit their response, which, upon sufficient cause, was allowed by the Authority.

The following exporters responded:

Korea RP

- **Daewoo Corporation**
- **Taihan Electric Wire Co. Ltd.**
- **Samsung Electronics Co. Ltd.**
- **L.G.Cable & Machinery Ltd.**

x. The Embassy of the subject country in New Delhi was informed about the initiation of the investigation in accordance with rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers from their country to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter, petition and questionnaire sent to the exporters was also sent to the Embassy, alongwith a list of known exporters/producers.

xi. A questionnaire was sent to the following known importers of Optical Fibre calling for necessary information in accordance with rule 6(4);

- Birla Ericsson Optical Ltd.
- Uniflex Cables
- Aksh (India) Ltd.
- Bhilai wires Ltd.
- CMI Ltd.

Response to the questionnaire was filed by the following :-

- Birla Ericsson Optical Ltd.
- Uniflex Cables
- Aksh (India) Ltd.
- Bhilai wires Ltd.
- CMI Ltd.
- Vindhya Telelinks Ltd.
- BWL Ltd.
- RPG Cables Ltd.
- Sudarshan Telecom
- Himachal Futuristic Communications Ltd.

• Telecom Cables Development Association

xii. Additional information regarding injury was sought from the petitioner, which was also furnished;

xiii. The Authority conducted on-the-spot investigation at the premises of the petitioner to the extent considered necessary;

xiv. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file maintained by the Authority and kept open for inspection by the interested parties;

xv. Cost investigations were also conducted to work out optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and the information furnished by the petitioner.

xvi. **** in this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules;

xvii. Investigation was carried out for the period starting from 1st April, 1998 to 28th February, 1999, which is herein after also referred to as the period of investigation(POI).

B. PETITIONER'S VIEWS

2. The petitioner have raised the following issues in their petition and their subsequent submissions.

(a) Injury is being caused to the domestic industry due to dumping of Optical Fibre from South Korea. The domestic prices have been declining in India resulting in no scope of even recovering costs.

(b) Due to low prices of imports from the subject country vis-à-vis prices of their exports to other countries, the petitioner are forced to match their prices with the low prices of Korean exports. This has led to extremely high losses.

(c) Despite an increase in production and sales, the petitioner has been forced to sell at unremunerative prices due to the dumped imports from Korea RP, resulting in financial losses.

(d) In evidence of injury, the petitioner have indicated such parameters as decline in capacity utilisation, decline in market share and increase in closing stock apart from the decline in domestic selling price and increase in losses.

(e) The petitioner have stated to have obtained ISO 9002 quality certification for their Optical Fibre unit. Their quality is claimed to have been extensively accepted by such authorities as Railway Board, IRCON International Ltd., Fibreware GmbH, DOT etc. As an evidence of acceptance by these authorities, the petitioner have enclosed letters and certificates issued by the former.

(f) It is further stated that the Normal value in case of South Korean exporters can not be determined by their domestic selling price as most of the exporters named by them use Optical Fibre for their captive consumption and do not have any domestic sales. Therefore, they have adopted an alternative method for arriving at Normal value. For this purpose, they have taken the representative export price to an appropriate third country as the basis for Normal value. In this regard, the petitioner

have treated China, Hongkong, and Vietnam as appropriate third countries.

C. Views of Exporters, Importers and other interested parties:

3. I. Importers'/user industries' views:

The Telecom Cables Development Association (TCDA) representing the Optical Fibre Cable manufacturers and the members of the Association individually have filed their representation giving reasons for not imposing anti-dumping duty and the same is claimed to have the support of all TCDA members except M/s Sterlite, the petitioner, and its associate company ARM Ltd. The submissions of the Association and of the individual members are identical. The main points of these submissions are summarised as under :

- (a) The imposition of Anti-Dumping duty shall have adverse implications for Optical Fibre Cable industry and will result in increased cost for them.
- (b) The Optical Fibre Cable is an integral component in the establishment of a proper telecom network in the country. Telecom Projects being an infrastructure area, the imposition of Anti-Dumping duty on Optical Fibre shall be prejudicial to infrastructural expansion and investments of the country.
- (c) The petitioner have alleged dumping based upon the Normal value derived from the exporters' quotations to third countries. But, the quotation is of no evidentiary value as it is not a concluded contract or actual transaction. Hence, there is no evidence that Normal value is higher than the prices of export to India.
- (d) The petitioner should not suffer injury on account of import of Optical fibre which is imported on payment of 25% duty since they enjoy the benefit of only 15% import duty for the import of raw material for manufacture of optical fibre.

- (e) The complaint filed by the petitioner is a malafide attempt to maintain their monopoly and control over the domestic price and supply of Optical fibre. They have in the past manipulated the market to their benefit by dubious and restrictive trade practices.
- (f) The Optical fibre supplied by Sterlite is of poor quality, on account of which the petitioner have faced rejections and cancellation of orders from the Optical fibre cable manufacturers. The fibre produced by the petitioner suffer from inconsistency, frequent breakages, lumps, diameter variations, loose winding, higher spectral attenuation, low MFD, inconsistent texture, bad coating etc. The Korean fibre is much superior in quality to the fibre produced by the petitioner. Here interchangeability of use in producing cables for meeting specifications of DOT does not establish complete similarity in quality. The petitioner have not disclosed various complaints and rejections of their goods.
- (g) Further, the estimate of normal value by the petitioner is totally inaccurate. The quotations submitted by the petitioner in evidence of price of export to third countries is not reliable as it can not be regarded as conclusive. The price at which the Optical fibre is exported to other countries is comparable to the rates at which it has been exported to India. Hence, there is no dumping of the subject goods in India, as there is no margin of dumping.
- (h) As regards injury, it is stated that the profit figures shown by the petitioner are incorrect. News reports have been quoted to suggest that there is an increase in the out put and sales of Optical fibre by the petitioner and the profits contributed by the Optical fibre division. Further, it is stated that the loss allegedly suffered by the petitioner may be due to various extraneous reasons, one of which could be the high rejection rate.

(i) Allegation of dumping by the petitioner is totally baseless. Fall in prices of Optical fibre is an international phenomenon and low priced supply from South Korea is not an aberration. The fall in International prices of Optical fibre is attributable to the availability of new and expanded capacities, fall in preform prices, process improvements, improvements in manufacturing process and in case of Korea, particularly, the depreciation of the won against the US dollar.

(j) Further, it is stated that there is no injury to the petitioner as their profit and turnover performance have been very high. The sales of the petitioner have increased and they have the domestic market monopoly being the sole supplier.

3. II. Exporters' views :

- (a) The petitioner is one of the five Optical fibre manufacturers in India whose share constitutes more than 80% of the total domestic production. However, none of the other manufacturers is a party to the present petition alleging dumping of Optical fibre from South Korea. This proves that neither the price nor the volume of Optical fibre supplied by South Korea has affected their fibre cable business in India.
- (b) Even though Sterlite have employed similar manufacturing process as that of the Korean suppliers, they are not in a position to supply best quality material at competitive prices. This is the main reason why manufacturers of fibre optic cable in India are finding it profitable to procure this material from foreign suppliers.
- (c) Further it is stated that the petitioner enjoys monopolistic position in Indian optical fibre market and dictates its own terms and price. The supplier from Korea, on the otherhand, aim to help the Indian cable manufacturers and the DOT to procure optical fibre and manufacture cables at economical rates, whereby the growth of telecom networks will be promoted in India.

- (d) A question is raised as to whether the imposition of anti-dumping duty upon Korean companies could be helpful to Indian cable industry in view of the quality problem of the optical fibre produced by the petitioner. It is stated that the injury to the domestic industry resulted from Sterlite's quality problems, especially high attenuation and fibre break.
- (e) The Korean exporter have further pointed out the big supply surplus in global fibre market during the investigation period, which resulted in World-wise decrease in fibre prices. Thus, decline in fibre prices during the period is an International phenomenon.
- (f) The trend of the petitioner's own export price, which declined dramatically from US\$ 56.1 in 1997-98 to US\$ 32.2 during 2nd half of 1998, confirms the declining trend of the international market price of optical fibre.
- (g) As evidence of injury, the petitioner alleged that their market share in India has declined to 64% in 1998-99 period. However, 64% market share is an absolute dominant position which can enable the company to exercise monopoly power in the market. The company intends to use anti-dumping procedure to maintain its dominance in Indian market

As to the increase in the net loss, the Korean exporter have stated that the same might have been caused by the drastic increase in production capacity. The significant burden of depreciation cost and start-up cost resulting from the heavy investments inevitably influence the company's financial position. Therefore, the allegation that the increased loss has been caused by alleged dumped imports is not to be accepted.

Further, according to the petitioner, sales volume of the petitioner increased substantially over the periods of 1996-97 and 1997-98. The information provided by them does not indicate any injury on this count.

(D) Examination of the issues raised

4. The foregoing submissions made by the exporters, the importers, the petitioner and other interested parties, to the extent these are relevant as per Rules and to the extent these have a bearing upon the case, have been examined and considered and have been dealt with at appropriate places in these findings.

(E) Product under consideration

5. The product involved in the present investigation is Optical Fibre originating in or exported from the subject country classified under Customs Sub heading No. 9001.10 of Customs Tariff Act, 1975. The classification is only indicative and in no way binding upon the scope of present investigation. Optical Fibre is used for longhaul telecommunication applications, CATV and networking applications for effective transmission of voice, data and video signals.

(F) Like articles :

6. The petitioner have claimed that there is no differences between their product and the same dumped from the subject country. Both conform to the same technical specifications and both have the same end-use. The Authority notes that the petitioner's product and the allegedly dumped product are both technically as well as commercially substitutable. Importers/users are interchangeably consuming the imported and domestic Optical Fibre. The Authority further notes that the Optical Fibre produced by the domestic industry in India has characteristics closely resembling the same of the Optical Fibre imported from the subject country.

Thus, the Authority treats both as Like Articles within the meaning of the Anti-Dumping Rules.

(G) Domestic Industry

7. The petition has been filed by M/s Sterlite Industries Ltd., MIDC, Waluj, Aurangabad, Maharashtra. There are five manufacturers of Optical Fibre in India including the petitioner. One of these five producers is opposing the petition filed.. The Authority notes that the total domestic production of Optical Fibre during the period of investigation was 326380 K.M. out of which the petitioner, M/s Sterlite Industries Ltd., produced 256380 K.M. Thus the petitioner accounted for more than 50% of production of the subject goods by the domestic industry during the period of investigation and, therefore, the Authority notes that they have the requisite standing to file the petition on behalf of the domestic industry under the Rules.

H. Dumping

8. The Parameters of dumping, namely, the Normal value, the Export price and the dumping margin, in relation to the exporters of the subject country are examined and determined in terms of section 9A(1)(c) of the Customs Tariff (Amendment) Act, 1995.

9. Information on Normal value and export price was elicited from the exporters of the subject goods in the form of questionnaires sent by the Authority to these exporters of the subject country. The claims made

by the exporters with regard to Normal value and export price are as under:-

I. Claims of the exporters in relation to Normal Value and Export price

10. Country : South Korea

(i) Exporter : Daewoo Corporation

Normal Value

The response of the exporter to the questionnaire is found to be incomplete. The response indicates only exports to India and exports to countries other than India. The requisite information relating to adjustments under various heads have not been submitted. Further, vital informations relating to net sales revenue, sales price structure, factory cost, charges after ex-factory etc. in respect of both exports to India and exports to other countries have not been submitted by the exporter. Thus, no claim has been made in regard to Normal Value and Export price. From the exporter's response, it is evident that there is no domestic sales of the subject goods by the exporter. Further, information regarding exports to third countries has been furnished in a cumulative manner and not country-wise. The petitioner, on the other hand, claims Normal value on the basis of the price of exports to an appropriate third country and adjustments thereon. In this regard, the petitioner has furnished informations on price of Korean exports to Vietnam, during the POI. These informations are drawn from the Korea Customs Statistics, as furnished by the Embassy of India in Seoul. The petitioner claims Vietnam as an appropriate third country due to the fact that both Vietnam and India are developing countries having low cost economies and their market conditions are similar.

Thus, the petitioner claims normal value on the basis of the weighted average value of South Korean exports to vietnam i.e. US\$ 38.70/KM and adjustments of US \$ 0.857/K.M. towards freight, insurance and commission, claimed thereon. Thus, Normal value is claimed at US\$ 37.84/K.M.

Export price :

Export price to India is claimed by the petitioner on the basis of the subject country's weighted average export price of US\$ 22.93/K.M. to India and the adjustments of US\$ 0.857/K.M. thereon on account of freight, insurance and commission. Thus, export price at ex-factory level is claimed at US \$ 22.07/K.M.

(ii) **Exporter : LG Cables and Machinery Ltd.**

Normal Value:

There is no domestic sales in case of M/s LG cables as evident from their response. However, the exporter have furnished information on exports to third countries (other than India), namely, China, Vietnam, Austria, Israel, Switzerland, and Germany. Month-wise information has been furnished for these countries only in respect of quantity and unit price of export to these countries. No information is furnished in respect of adjustments on the export price nor any information furnished on the net sales revenue. Weighted average unit export price to China has been claimed at xxxx/KM, to Vietnam at US\$ xxxxKM, to Switzerland at US\$ xxx/KM, and to Germany at US\$ xxx/K.M.

Export Price:

Information regarding Export price to India has been submitted invoice-wise. The cif value of total exports of xxxx K.M.s to India from M/s LG Cables has been claimed as US\$ xxxx. Thus, weighted average cif value of exports to India is claimed at US\$ xxx/KM. Adjustments are claimed on account of Ocean freight, insurance and agency commission which comes to US\$ xxx/K.M. Thus, export price at ex-factory level is claimed as US\$ xxx/K.M.

(iii) Exporter - Taihan Electric Wire Co, Ltd.**Normal value:**

The exporter have claimed weighted average domestic selling price during the period of investigation at US xxxxx/K.M. Adjustments of US\$ Xxxx/K.M. are claimed on account of inland freight, handling and taxes. Thus, the normal value, i.e. the domestic selling price at ex-factory level, is claimed at US\$ xxxx/K.M.

Export price

Weighted average Export price to India is claimed at US\$ xxxx/K.M. and US\$ xxxx/K.M. is claimed as adjustments on account of inland freight, handling, overseas freight, overseas insurance and others. Thus, export price to India at ex-factory level is claimed at US\$ xxxx/K.M.

(iv) Exporter : Samsung Electronics Co, Ltd.**Normal value:**

Normal value is claimed on the basis of export price to third countries other than India. The exporter have claimed the weighted average export price to Hongkong at US\$xxxxK.M., to China at US\$xxxxK.M. and to France at US\$xxxx/K.M. and adjustments are

claimed on c/c fee, air freight, insurance and credit expenses. Thus, the weighted average ex-factory export price to these countries, i.e. the normal value, is claimed at US\$ xxx/K.M., US\$ xxxx/K.M., and US\$ xxxx/K.M., respectively.

Export price

The weighted average export price(cif) to India is claimed at US\$xxx/K.M. and adjustments are claimed at US\$xxxx/K.M. on account of commission, c/c fee, air freight, and insurance. Thus the export price at ex-factory level is claimed at US\$xxx/K.M.

J. Examination by the Authority of the Exporters' claims on Normal value and Export price

11. Exporter : M/s Daewoo Corporation

The Authority has examined the response of the exporter to the questionnaire and found the same incomplete. The Authority finds that the exporter have not furnished vital informations relating to various adjustments on export price to India and the same to an appropriate third country. Further, the exporter have not submitted information on net sales revenue, sales price structure, ex-factory cost etc. in respect of both exports to an appropriate third country and exports to India. In the absence of these requisite informations in the exporter's response, the Authority has no other alternative but to rely upon the informations of the petitioner for determination of Normal value and Export price.

Normal Value:

The Authority notes that there is no domestic sales of the subject goods by the exporter. Hence, the Authority determines the Normal value on the basis of the representative price of exports by the subject country to an appropriate third country, as per information furnished by the petitioner, which, in turn, are gathered from the official sources. The Authority, in this regard, treats Vietnam as an appropriate third country for two reasons :

- (a) Vietnam is a developing country, and its market is comparable to Indian market ;
- (b) Both India and Vietnam are low-cost economies and their market conditions are similar.

The Authority takes into account the weighted average export price of US\$ 38.70/K.M. of South Korean Optical Fibre to Vietnam during the period of investigation as per Korean Customs data and considers the adjustments of US\$ 0.857/K.M. claimed thereon by the petitioner on account of freight, insurance and sales commission which the Authority has allowed. Thus, the Authority calculates the Normal value as US\$ 37.84/K.M. for the purpose of Preliminary determination subject to verification.

Export price

The Authority considers the weighted average price of export to India, as claimed by the petitioner, i.e. US\$ 22.93/K.M. and adjustments of US\$ 0.857/K.M. for freight, insurance and sales commission, as

claimed by the petitioner. The Authority has allowed these adjustments and determines the ex-factory export price to India at US\$ 22.07/K.M.

Dumping Margin

On comparison of Normal value with export price so determined, the Authority determines the dumping margin at US\$ 15.77/K.M. which is 71.45% of export price.

Exporter: LG Cables and Machinery Ltd.:

Normal value:

The Authority notes that the exporter have furnished informations on exports to third countries other than India, namely, China, Vietnam, Austria, Germany, Switzerland etc., during the period of investigation and that they (the exporter) have no domestic sales. Therefore, the Authority considers the export price to an appropriate third country as the basis of Normal value. In this regard, Vietnam is considered as an appropriate third country for reasons already stated. The Authority notes that the weighted average export price to Vietnam during the period of investigation is claimed by the exporter as US\$ xxx/K.M. However, no adjustment has been claimed nor any information is furnished on net sales revenue. Therefore, the Authority takes into account the adjustments of US\$ 0.857/K.M. on account of freight, insurance and sales commission as claimed by the petitioner. The Authority, thus, determines the Normal value at US\$ xxx/K.M, taking into account the weighted average export price to Vietnam, as claimed by the exporter, and the adjustments as claimed by the petitioner. However, such determination of Normal value is only a Preliminary determination subject to verification.

Export price:

In regard to export price, the Authority takes into account the weighted average export price of US\$ xxx/K.M. to India as claimed by the exporter and the weighted average adjustments of US\$ xxx/K.M. claimed on account of Ocean freight, insurance and agency commission which the Authority has allowed. Thus, the Authority arrives at the ex-factory export price at US\$ xxx/K.M.

Dumping Margin :

On the basis of comparison of the export price with Normal value determined in aforesaid manner, the Authority determines the dumping margin at US\$ xxx/K.M. which is 77.22% of the export price.

Exporter: M/s Tajhan Electric Wire Co. Ltd.

Normal value:

The Authority accepts the weighted average domestic selling price during the period of investigation at US\$ xxx/K.M. as claimed by the exporter. Adjustments of US\$ xxx/K.M. on account of inland freight, handling and taxes as claimed by the exporter are also allowed by the Authority. Thus, the Authority calculates the Normal value at US\$ xxx/K.M. for the purpose of Preliminary determination subject to verification.

Export price

The Authority accepts the exporter's claim of the weighted average export price of US\$ xxx/K.M. to India. The adjustments of US\$

xxx/K.M. claimed on account of overseas freight, inland freight, handling, overseas insurance and others are also allowed by the Authority. Thus, the Authority determines the export price at ex-factory level at US\$ xxx/K.M.

Dumping Margin

Comparing the export price to India with Normal value determined as aforesaid, the Authority determines the dumping margin at US\$ xxx/K.M. which is 13.75% of export price.

Exporter : M/s Samsung Electronics Company Ltd.

Normal value:

The Authority accepts the weighted average export price to third countries, namely, Hongkong, China and France, as claimed by the exporter in their response to the questionnaire duly supported by actual invoices the copies of which are furnished by the exporter. Since invoices constitute the documentary evidence of exports, the Authority is inclined to accept the value as per the invoices. Thus, the weighted average export price to Hongkong, China and France is determined at US\$ xxxx/K.M., US\$ xxx/K.M. and US\$ xxx/K.M. respectively. Out of these three countries, for which information is furnished, the Authority considers China as the appropriate third country as China is a low cost economy like India and its market conditions are comparable to India's.

Thus, the Authority takes into account the export price to China as per invoices furnished by the exporter and the adjustments claimed thereon for the purpose of determination of Normal value. The Authority, thus, determines the weighted average cif price to China at US\$ xxx/K.M during the POI. The adjustments of US\$ xxx/K.M. as claimed by the exporter on account of C/C fee, air freight, insurance and credit expenses

for their exports to China are allowed by the Authority. Thus, the Normal Value is determined at US\$ xxx/K.M.

Export price:

The weighted average cif value of export to India as evidenced by the invoices furnished by the exporter is determined at US\$ xxx/K.M.. The weighted average adjustments of US\$ xxx/K.M. on account of commission, C/C fee, air freight and insurance, as claimed by the exporter are allowed by the Authority. Thus, the authority determines the export price to India at ex-factory level at US\$ xxx/K.M.

Dumping Margin

Comparing the Normal value with export price so determined, the Authority works out the dumping margin as US\$ xxx/K.M. which is 14.11 % of export price.

Residual exporters:

In respect of all other exporters, if any, from the subject country who have not been named by the petitioner or who have not responded to the questionnaire, the Authority determines the dumping margin at the highest of the margins determined for the cooperative exporters from the subject country.

Thus, the dumping margin as % of ex-factory export price in respect of the exporters from the subject country is determined as follows :

Country	Exporter	Dumping Margin
Korea RP	1. Daewoo Corporation	71.45%
	2. LG Cable and Machinery Ltd.	77.22%
	3. Taihan Electric Wire Co. Ltd.	13.75%
	4. Samsung Electronics Company Ltd.	14.11%
	5. All other exporters	77.22%

K. INJURY

Injury:

12. The Authority notes that the petitioner have claimed injury caused to the domestic industry on account of dumped imports from the subject country. The Authority examines this claim of injury to the domestic industry taking into account all relevant facts and in accordance with Rule 11 Supra and the principles set out in Annexure II to the Rules.

For determination of injury, the Authority has examined the impact of dumped imports on the domestic industry in India. In this regard, the Authority has considered such indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilisation, sales quantum, profitability, net sales realisation, the magnitude and margin of dumping etc. in accordance with Annexure II(iv) of the Rules Supra.

(a) Production capacity and capacity utilisation:

The Authority notes that the installed capacity of the petitioner , which was 2,00,000 K.M. per annum during the periods 1996-97 and 1997-98, has been increased to 10,00,000 K.M. per annum during the year 1998-99. Further, it is seen that though the production has increased in absolute terms during the period of investigation compared to previous two years, the capacity utilisation has declined to 25.63% during the period of investigation as compared to 67.25% during the previous year, i.e. 1997-98.

(b) Volume of imports :

As per the statistics published by the official agency DGCI&S, the quantum of imports from the subject country during the period of investigation and preceding two years is as under :-

<u>Year</u>	<u>Volume</u>
1996-97	5626 Kgs.
1997-98	9964 Kgs.
POI -	28,887 Kgs

From the above figures, it is observed that the volume of total imports from the subject country during the POI has registered an increase of about 190% over the year 1997-98 and 413% over the year 1996-97.

(c) Net Sales realisation:

The Authority finds that the average sales realisation was Rs...../K.M. during the year 1996-97, Rs...../K.M. during the year 1997-98, and Rs...../K.M. during the POI. It declined in the year 1997-98 to Rs...../K.M. from Rs...../K.M. during the period 1996-97. During the POI, the average sales realisation declined further to Rs...../K.M.

329165|99-5

(d) **Profitability:**

The Authority finds that the petitioner has incurred loss during the period of investigation as well as during the previous year, i.e. 1997-98 and the loss per K.M. of Optical Fibre has increased from Rs.....during 1997-98 to Rs.....during the POI.

(e) **Closing Stock:**

The closing stock of the petitioner is found to have increased from 8279 K.Ms during 1997-98 to 19,717 K.Ms during the POI.

(f) **Sales volume**

The petitioner's sales have increased from 40428.78 K.Ms. during the year 1996-97 to 129343.2 Kms. during the year 1997-98. The sales have further increased to 234539.86 K.M.s during the period of investigation.

L. Conclusion on Injury:

13. In the light of the above observations contained in para 12, the Authority arrives at the following conclusions :

- (a) Quantum of imports from the subject country has greatly increased during the POI as compared to the preceding two years.
- (b) The capacity utilisation of the petitioner has declined during the POI as compared to the previous year.
- (c) There has been a decline in average sales realisation of the subject goods during the POI as compared to the previous two years. The

decline during the POI is in the region of 20% vis-à-vis the average net selling price during the year 1997-98 and about 38% vis-à-vis the net sales realisation during the year 1996-97.

- (d) The loss suffered by the petitioner during the POI has increased by about 125% over the previous year.

M. Causal link

14. The Authority finds that increase in quantum of imports from the subject country resulted in the decline of market share of the petitioner. This had the effect of undercutting the prices of domestic Optical Fibre forcing the domestic industry to sell at unremunerative prices which are below the non-injurious selling price as determined by the Authority. The Authority holds that due to dumped imports from the subject country at low prices vis-à-vis the prices of their exports to other countries, the petitioner were forced to match their prices with the low prices of Korean exports. Resultantly, the petitioner incurred extremely high losses despite an increase in production and sales. The material injury to the domestic industry was, therefore, caused by the dumped imports from the subject country.

N Indian Industry's interest and other issues

15. The purpose of anti dumping duties, in general, is to eliminate dumping which is causing injury to the domestic industry and to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country.

16. It is recognised that the imposition of anti dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on

relative competitiveness of these products. However, fair competition on the Indian market will not be reduced by the anti dumping measures, particularly if the levy of the anti dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of Optical Fibre. Imposition of anti dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way, and, therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.

17. To ascertain the extent of anti-dumping duty necessary to remove the injury to the domestic industry, the Authority may rely upon reasonable selling price of Optical Fibre in India for the domestic industry, by considering the optimum cost of production at optimum level of capacity utilisation for the domestic industry.

O. Conclusions

18. After considering the foregoing, it is seen that :

- (a) Optical Fibre described under para 5 and originating in or exported from Korea RP has been exported below Normal value, resulting in dumping.
- (b) The Indian Industry has suffered material injury.
- (c) The injury has been caused cumulatively by the dumped imports from the subject country.

19. It is considered necessary to impose anti-dumping duty provisionally, pending final determination, on all imports of Optical Fibre originating in or exported from the subject country.

20. The Authority considered to recommend the amount of Anti-Dumping Duty equal to the margin of dumping or less, which if levied, would remove the injury to domestic industry. The average landed price of the imports, for the purpose, was compared exporter-wise with the Non-injurious selling price of the petitioner, determined for the period of investigation. Wherever the difference was less than the dumping margin, a duty lower than the dumping margin is recommended. In respect of residual exporters, the Authority recommends the highest of the duties recommended for cooperative exporters/the exporters named by the petitioner. Accordingly, it is proposed that provisional anti dumping duties be imposed, from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on all Optical Fibre originating in or exported from Korea RP falling under Customs sub-heading No.9001.10 of the Customs Tariff Act, pending final determination.

21. The provisional Anti-Dumping duty in respect of the subject country and its exporters shall be the amounts mentioned in column 4 of the following table :

Sl. No	Country	Exporter	Amount (Rupees per K.M.)
1.	Korea RP	1. Daewoo Corporation 2. L.G. Cables and Machinery Ltd. 3. Taihan Electric Wire Co. Ltd. 4. Samsung Electronics Co. Ltd. 5. All other exporters	1. 564.00 2. 610.14 3. 122.25 4. 146.78 5. 610.14

22. Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by the Customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties levied under Section 3, 3A, 8B, 9 and 9 A of the Customs Tariff Act, 1975.

P. FURTHER PROCEDURE:

23. The following procedure would be followed subsequent to notifying the preliminary findings:

- (a) The Authority invites comments on these findings from all interested parties and the same would be considered in the final findings;
- (a) Exporters, importers, petitioners and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make known their views, within forty days of the despatch of this notification. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings.
- (c) The Authority would disclose essential facts before announcing the final findings.

RATHI VINAY JHA, Designated Authority